गन्ने की खेती से सम्बन्धित सस्य–क्रियाओं का माहवार कैलेण्डर

(शरदकालीन गन्ना, उत्तर भारत)

अक्टूबर

1. गन्ने की शरदकालीन बुवाई हेतु खेत की तैयारी करें।
2. अक्टूबर के अन्तिम सप्ताह तक बुवाई पूरी कर लें।
3. शरदकालीन गन्ने में अन्तः फसलों जैसे आलू, सरसों, मटर, तोरिया आदि की बुवाई करें।
4. आवश्यकतानुसार सिंचाई करें, बीज के लिए उगाई गयी फसल में सिंचाई अवश्य करें। यदि गन्ने के साथ अन्तः फसल नहीं बोई गयी है तो जमाव–पूर्व खरपतवार नाशियों जैसे एट्राजीन,20 किग्रा0/है0 सक्रिय तत्व सिमेजीन का प्रयोग करें।

नवम्बर

1. पेड़ी एवं उच्च शर्करा युक्त शीघ्र पकने वाली बावक गन्ने की कटाई करें।
2. कटी हुई फसल की पेड़ी लेने हेतु ढूँठों व पार्श्व जड़ों की छटाई करने के साथ –साथ खाद एवं रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग गन्ने की लाइनों के किनारे–किनारे करके मिट्टी में गुड़ाई करके मिला दें।
3. शरदकालीन गन्ने की बुवाई अति शीघ्र समाप्त कर लें।
4. अक्टूबर में बोई गई अन्तः फसल की सिंचाई फसल अनुसार नवम्बर के अन्तिम सप्ताह तक अवश्य कर लें।

दिसम्बर

1. पेड़ी व शरदकालीन गन्ने की कटाई करें।
2. पेड़ी व अक्टूबर में बोए गये गन्ने की सिंचाई करें।
3. अन्तः फसल को पाले से बचाने हेतु सिंचाई करें।
4. उचित ओट आने पर गन्ने की गुड़ाई करें।

जनवरी

1. पेड़ी एवं शीघ्र पकने वाली प्रजातियों की कटाई करें।
2. गन्ने की सिंचाई करें।
3. उचित ओट आने पर गुड़ाई करें।

फरवरी

1. मध्य देर से पकने वाली प्रजातियों की कटाई करें।
2. पेड़ी की शुरूआत करें।
3. अक्टूबर में बोए गये गन्ने व पेड़ी में आवश्यकतानुसार सिंचाई करे।
4. पेड़ी व बावक गन्ने मे बची हुई नत्रजन की आधी मात्रा का प्रयोग करें।
5. गन्ने की निराई व गुड़ाई करें।

मार्च

1. शेष बचे हुए गन्ने की कटाई पूरी कर लें।
2. पेड़ी की शुरूआत करें।
3. पेड़ी व बावक गन्ने में सिंचाई व गुड़ाई करें।
4. चोटी बेधक कीट के अण्ड समूहों को एकत्र करके नष्ट कर दें।

अप्रैल

1. निराई–गुड़ाई करे तथा पताई बिछा दें।
2. मार्च में शुरू की गई पेड़ी में दूसरी सिंचाई करके उचित ओट आने पर शेष बची हुई नत्रजन की आधी मात्रा (100किग्रा0 यूरिया) का प्रयोग करें।
3. प्ररोह बेधक तथा चोटी बेधक से ग्रसित पौधों को निकाल दें।
4. बावक फसल में भी सिंचाई करें।

मई

1. फरवरी में शुरू की पेड़ी की तीसरी सिंचाई मई के प्रथम सप्ताह में कर दें ।
2. बावक फसल की भी सिंचाई करें।
3. शरद कालीन गन्ने की फसल में पहली बार हल्की मिट्टी चढ़ायें।
4. प्रथम सप्ताह में चोटी बेधक के अण्डे जो निचली पत्तियों के पृष्ठ पर होते है, एकत्रित करके जला दें।

जून

1. गन्ने में मिट्टी चढ़ाये।
2. गन्ने की सिंचाई करें।
3. जून के तीसरे सप्ताह में यूरिया की शेष एक चौथाई मात्रा का प्रयोग करे ।
4. फसल को चोटी बेधक कीट से बचाने के लिए फ्यूराडान (3 जी0) 33 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से गन्ने की लाइनों के किनारे–किनारे पौधों के पास डालें।

जुलाई

1. फसल को चोटी बेधक कीड़े से बचाने हेतु ट्राइकोग्रामा जैपोनिकम के 50,000 प्रौढ़ प्रति हैक्टेयर की दर से 10 दिन के अन्तराल पर जुलाई से अक्टूबर तक खेत में छोड़े।
2. तना बेधक की रोकथाम के लिए ट्राइकोग्रामा किलोनिस के 50,000 (पचास हजार) पौढ़ प्रति हे0 की दर से 10 दिन के अन्तर पर जुलाई से अक्टूबर तक खेत में छोड़े।
3. माह के अन्त में आखिरी बार मिट्टी चढ़ाकर नालियों को जल निकास के उपयुक्त बनायें।

अगस्त

1. गन्ने की सूखी पत्तियों को निकाल दें।
2. बीमारी युक्त थानों को निकालकर जला दें या मिट्टी के नीचे दबा दें।
3. प्रत्येक थान के गन्नों को आपस में बॉध दें।

सितम्बर

1. आमने–सामने की पंक्तियों के गन्ना थानों की आपस में कैचीनुमा बंधाई करें।
2. गन्ने की निचली सूखी पत्तियों को निकाल दें।
3. बीमारी युक्त थानों को निकालकर जला दे या मिट्टी में दबा दें।